श्रीसोमनाथसंस्कृतविश्वविद्यालये प्रवृत्ता 'समास'विषयिणी व्याकरणकार्यशाला

'समास'विषयिण्याः व्याकरणकार्यशालायाः दीपप्रज्जावलनेन उद्घाटनं कुर्वन्तः कुलपतिः प्रो. गोपबन्धु मिश्रः, प्रो. रबीन्द्रभट्टचार्यः इतरे च महानुभावाः

२०१९तमस्य वर्षस्य डिसेम्बरमासस्य तृतीयात् दिनात् सप्तमं दिनं यावत् श्रीसोमनाथसंस्कृतविश्वविद्यालये 'बहुव्रीहिसमासः' इति विषयमाश्रित्य छात्रोपयोगिनी कार्यशाला प्रावर्तत। कार्यशालायामस्यां विश्वविद्यालयच्छात्रैः सममेव विश्वविद्यालय-संबद्धेभ्यः चतुर्दशभ्यः महाविद्यालयेभ्यः आगताः ५८ छात्रा भागमवहन्। श्रीजगन्नाथसंस्कृत-विश्वविद्यालस्य कुलपतिचराः संस्कृतविभागाध्यक्षचराश्च प्रो. किशोरचन्द्र पाढी महोदयाः समुपस्थाय छात्राणां मार्गदर्शनमकुर्वन्। श्रीसोमनाथ-संस्कृतविश्वविद्यालयस्य व्याकरण-विभागाध्यक्षाः प्रो. विनोद कुमार झा महोदयाः, व्याकरणप्राध्यापकः डॉ. दीपेश विनोद कतिरा महोदयः चापि कार्यशालायां मार्गदर्शनमकुर्वन्। वेदव्याकरण-कार्यशालयोः संयुक्तोद्घाटन-समापनकार्यक्रमयोः विश्वविद्यालयस्य कुलपतयः कुलसचिवाः च समुपस्थाय समवेतान् प्रेक्षकान् समुदबोधयन्।

व्याकरणकार्यशालायां पाठयन् प्रो. श्रीकिशोरचन्द्र पाढी वर्यः

ट्रेनींग प्रोग्राम व्याकरणविभाग-

दिनाङ्क-03/12/2019 से 07/12/2019

श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय में छात्रों को ज्ञान में दक्ष बनाने के लिए छात्रोपयोगी विविध कार्यक्रम किये जाते हैं । इस सिलसिले में व्याकरण विभाग द्वारा दिनांक-03/12/2019 से 07/12/2019 तक एक ट्रेनींग प्रोग्राम का आयोजन किया था । अभिज्ञानशाकुन्तल और कालिदास के अन्य ग्रन्थों के विविध उदाहरणों में बहुव्रीहि समास का अच्छी तरह से अभ्यास हो इस लिए "वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदीयाः बहुव्रीहिसमासाः" विषय को केन्द्र में रखकर पाँच दिवसीय ट्रेनींग प्रोग्राम का आयोजन श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, वेरावल के परिसर में किया गया था । इसमें भी युनिवर्सिटी सम्बन्धित महाविद्यालय के छात्रों को भाग लेने के लिए आमन्त्रण दिया गया था । कुल-62 प्रतिभागिओं (इनमें से विश्वविद्यालय परिसर के 8 छात्र थे) ने भाग लेकर ट्रेनींग ली थी । इस ट्रेनींग प्रोग्राम में व्याकरण की प्रसिद्ध विदुषी पुष्पादीक्षितजी और प्रो. किशोरचन्द्र पाढीजी(अध्यक्ष, व्याकरणविभाग, श्रीजगन्नाथसंस्कृतविश्वविद्यालय, ओडिसा) ने व्याख्यान दिये थे। इस सफल ट्रेनींग प्रोग्राम के अन्त में सब प्रतिभागिओं को प्रमाणपत्र भी दिये थे।

श्रीसोमनाथसंस्कृतयुनिवर्सिटी, वेरावलम्

प्रमाणपत्रम्

इदं प्रमाणीक्रियते यत् रादडिया रविकुमार मनसुखभाई

०३.१२.२०१९ तः ०७.१२.२०१९ पर्यन्तं 'बहुव्रीहिसमासः' इति विषयमाश्रित्य प्रवृत्तायां

व्याकरणकार्यशालायां भागमवहत्।

दीपेश

डॉ. दीपेश विनोद कतिरा
(संयोजकः)

विनोद कुमार झा

प्रो. विनोदकुमार झा
(मुख्यसंयोजकः)

Scanned with CamScanner